The Institute of Indian Foundrymen (IIF) successfully concluded its conference, NCON-2025, organized by the Northern Region and its Chapters jointly with the Bureau of Energy Efficiency (BEE), Government of India, on 17TH Dec 2025 at Hotel Ramada, Jalandhar. The two-day event brought together industry leaders, policymakers, financial institutions, and technology providers to discuss the critical theme of "Energy Efficiency: Pathway to a Sustainable Future."

NCON conference with BEE, highlighting their unwavering dedication to advancing the cause of energy efficiency in the foundry sector. The conference was inaugurated by Dr. Himanshu Agarwal, Deputy Commissioner of Jalandhar, who emphasized the importance of energy conservation in driving social progress and technical advancement. The event was graced by notable dignitaries, including LPU Vice Chairman Aman Mittal, IIIF Northern Region Chairman Balram Kapoor, IIF Northern Region Vice Chairman Lokes Lohia, Chandigarh Chapter Chairman Sanjeev Juneja.

Over 150 delegates from across the country participated in the conference, which featured a comprehensive technical program, including keynote addresses, panel discussions, and an exhibition showcasing innovative energy-efficient solutions. The conference provided a unique platform for industry stakeholders to share best practices, discuss challenges, and explore opportunities for collaboration and growth. The technical sessions covered a range of topics, including energy-efficient technologies, sustainable practices, and policy frameworks aimed at accelerating the adoption of energy-efficient practices in the foundry sector.The conference featured insightful presentations from renowned speakers, including Mr. Rahul Kumar Singh, Zonal Manager, UCO Bank, who discussed innovative financing models for energy-efficient projects; Mr. P. Shyam Sundar, Director, BEE, Government of India, who presented the national roadmap for industrial energy conservation and led an interactive session on the ADDEETIE SCHEME; Dr. P. Thareja, who shared cutting-edge research on low-temperature casting; and representatives from Hitachi High-Tech India, Inductotherm India, and SIDBI, who highlighted state-of-the-art equipment and credit facilities for MSMEs.

BEE, as a key partner, played a crucial role in shaping the conference agenda, focusing on energy efficiency as a key driver for sustainable growth in the foundry sector. The Bureau's initiatives and policies aimed at promoting energy efficiency were discussed in detail, providing valuable insights to the participants. The conference emphasized the importance of energy efficiency in reducing energy consumption, lowering carbon emissions, and enhancing competitiveness in the foundry sector.

A panel discussion on "Financing the Green Transition" brought together bankers, policymakers, and industry CFOs to discuss innovative financing mechanisms for energy-efficient projects. The panelists shared their expertise and experiences, highlighting the importance of collaboration and partnerships in driving sustainable growth. A dedicated workshop on implementing Energy Management Systems provided hands-on guidance to participants, enabling them to develop practical skills and knowledge in energy management.

The exhibition featured over 20 MSME stalls showcasing innovative energy-efficient solutions, including advanced induction heating systems, waste-heat recovery solutions, and energy-efficient furnaces. The event provided ample opportunities for networking and collaboration, with participants engaging in lively discussions and exploring potential partnerships. The conference concluded with a series of awards and mementos being presented to individuals and organizations that made outstanding contributions to the cause of energy efficiency.The NCON-2025 conference highlighted the importance of energy efficiency in driving sustainable growth and competitiveness in the foundry sector. The event emphasized the need for collaboration and partnerships among industry stakeholders, policymakers, and financial institutions to accelerate the adoption of energy-efficient practices. The conference also highlighted the potential for energy savings in the foundry sector, with case studies demonstrating energy savings of up to 30% in participating foundries.

The Institute of Indian Foundrymen expressed its gratitude to all participants, sponsors, and partners, and reiterated its commitment to continuing such initiatives as part of its broader mission to promote technological excellence and environmental stewardship within the metal-casting industry. The collective insights, shared experiences, and newly forged partnerships are expected to translate into tangible reductions in energy consumption, lower carbon emissions, and enhanced competitiveness for foundries across the nation.

The conference showcased BEE's efforts in promoting energy efficiency, including the development of energy-efficient technologies, capacity building, and awareness creation. The event demonstrated the potential for energy efficiency in the foundry sector and the role of BEE in driving this initiative forward. The conference provided a

platform for industry stakeholders to engage with BEE and explore opportunities for collaboration and growth.

Overall, the NCON-2025 conference was a resounding success, highlighting the importance of energy efficiency in driving sustainable growth and competitiveness in the foundry sector. The event provided a unique platform for industry stakeholders to share best practices, discuss challenges, and explore opportunities for collaboration and growth, with BEE playing a key role in shaping the conference agenda and promoting energy efficiency.

पंजाब केसरी
THU,18 DECEMBER 2025
EDITION: JALANDHAR KESARI, PAGE NO. 6

फाऊंड्री उद्योग से जुड़े लोगों की पहल-प्रदूषण पर नियंत्रण और ऊर्जा में दक्षता

दि इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाऊंड्रीमैन ने जालंधर में किया नॉर्दर्न रीजन कांफ्रैंस का आयोजन

जालंधर, 17 दिसम्बर (अनिल पाहवा): फाऊंड्री उद्योग में ऊर्जा दक्षता और टिकाऊ भविष्य की दिशा तय करने के लिए दि इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाऊंड्रीमैन (आई.आई.एफ.) के नॉर्दर्न रीजन और चंडीगढ़ चैप्टर की ओर से एक अहम पहल की गई। इसी पहल के तहत जालंधर के स्थानीय होटल में नॉर्दर्न रीजन कांफ्रैंस एन.सी.ओ.एन. 2025 का आयोजन किया गया। पंजाब केसरी ग्रुप के डायरैक्टर अभिजय चोपड़ा इस दौरान विशेष आतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। आई.आई.एफ. नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन बलराम कपूर, चंडीगढ़ चैप्टर के चेयरमैन संजीव जुनेजा, उपाध्यक्ष जसजीत बेदी, बरिंदर कलसी और सचिव मनीष क्वात्रा ने उनका स्वागत किया।

इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'ऊर्जा दक्षता बढ़ाना-एक स्थायी भविष्य की ओर रास्ते' रखा गया था, जो मौजूदा दौर में उद्योग जगत के लिए सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। इस दौरान फाउंड्री टैक्नोलॉजी और ऊर्जा दक्षता से जुड़े नए प्रयोगों, चुनौतियों और अवसरों पर खुलकर चर्चा हुई। आयोजन के दौरान ब्यूरो आफ एनर्जी एफीशिएंसी (बी.ई.ई.) के निदेशक शाम सुंदर ने फाऊंड्री उद्योग से जुड़े लोगों को ऊर्जा बचत से लेकर अन्य तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी दी।

सम्मेलन में देशभर से 150 के करीब फाऊंड्रीमैन, उद्योग विशेषज्ञ और शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया। ऊर्जा दक्षता, पर्यावरण संरक्षण, नई तकनीकों और उद्योग के भविष्य से जुड़े कई तकनीकी सत्र और विचार-विमर्श आयोजित किए गए। इस दौरान वक्ताओं ने अपने संबोधन में जहां उर्जा संरक्षण पर जोर दिया, वहीं सभी का फोकस था कि प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएं ताकि इस समस्या के निपटारे के लिए इंडस्ट्री की तरफ से अपना उचित योगदान दिया जा सके।

इस अवसर पर धर्मिंदर मेहता, विशाल गौतम, विनय लूथरा, अजय राय, पलविंदर जुनेजा, गौरव चोपड़ा, अतिन चोपड़ा, नरेंद्र सिंह सग्गू, गुरनाम सिंह भराज, रूपिंदर नंदा, अनुराग भदौरिया, लोकेश लोहिया, तुषार जैन, अखिल कपूर व अन्य उपस्थित रहे।

इस दौरान जसजीत सिंह बेदी, उपाध्यक्ष आई.आई.एफ. चंडीगढ़ चैप्टर ने कहा कि आई.आई.एफ. की तरफ से इस आयोजन का जो मुख्य उद्देश्य है, वह है ज्यादा से ज्यादा बिजली बचत पर ध्यान केंद्रित करना। एक दौर था, जब बिजली की काफी कमी थी और उसका नुक्सान उद्योगों को भी हो रहा था, लेकिन अब देश में बिजली की कमी लगभग खत्म हो चुकी है। मनीष क्वात्रा, सचिव आई.आई.एफ. चंडीगढ़ चैप्टर ने कहा कि तकनीक के मामले में चीन ने काफी तरक्की की है। नई नई तकनीक लाकर उसने उत्पादों को तैयार करने में आने वाली लागत पर बड़ी कटौती की है, जिसके कारण वह बाजार में सस्ता माल बेच पा रहा है। हमें भी नई तकनीक के साथ लागत में कटौती करनी होगी।

• आई.आई.एफ. के आयोजन के दौरान बी.ई.ई. के निदेशक शाम सुंदर को सम्मानित करते पंजाब केसरी के निदेशक श्री अभिजय चोपड़ा, साथ हैं आई.आई.एफ. के चेयरमैन बलराम कपूर, संजीव जुनेजा, मनीष क्वात्रा, जसजीत सिंह बेदी, धर्मिंदर मेहता व अन्य। (ठाकुर)

• फाऊंड्री उद्योग से जुड़े एक स्टाल पर उत्पाद देखते पंजाब केसरी के निदेशक अभिजय चोपड़ा

आई.आई.एफ. की तरफ से आयोजित इस तरह के इवैंट फाऊंड्री उद्योग के लिए बेहद फायदे का सौदा साबित होते हैं, क्योंकि यहां पर आकर एक तो नई मशीनों तथा नई तकनीक की जानकारी मिलती है। दूसरा सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी मिल जाती है, जिसमें कम दरों पर नई मशीनों के लिए कर्ज मुहैया करवाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में टिकने के लिए लेटेस्ट मशीनों को स्थापित करना समय की जरूरत है, क्योंकि इससे जहां क्वालिटी बेहतर करने में आसानी होगी, वहीं लागत में भी कमी आएगी। अब वो समय नहीं है, जब जो सामान तैयार कर दो वो बिक जाता था, अब तो उपभोक्ता क्या चाहता है, किस तरह की क्वालिटी चाहता है, ये सब देखना जरूरी होगा। कास्टिंग इंडस्ट्री की ही बात करें तो एक दौर था, जब यू.के., यू.एस. तथा जर्मनी इस मामले में किंग होते थे और भारत का दूर-दूर तक कहीं नाम नहीं होता था, लेकिन नई तकनीक को अपनाकर भारतीय उद्योगों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में खुद को न केवल स्थापित किया, बल्कि आज स्थिति यह है कि उक्त देशों में भारतीय कास्टिंग का नाम कई ऊंचा हो गया है।

-बरिंदर कलसी, कार्यकारी सदस्य जालंधर आटो पार्ट्स एसोसिएशन व निदेशक कलसी मैटल वर्क्स प्रा.लि.

चीन को मात देने के लिए 'कॉस्ट कटिंग' जरूरी : बलराम कपूर

नाथर्न रीजन इंस्टीच्यूट आफ इंडियन फाऊंड्रीमैन के चेयरमैन व संयुक्त प्रबंध निदेशक जे.एम.पी. इंडस्ट्रीज बलराम कपूर ने कहा कि टैक्नोलोजी में रोजाना कुछ न कुछ नया आ रहा है और रोजाना ही कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है।

इस तरह के इवैंट करने का एक ही बड़ा कारण है कि जो फाऊंड्री उद्योग से जुड़े लोग हैं, उन्हें मशीनों की नए तकनीक से लेकर उक्त मशीनें खरीदने के लिए उचित दरों पर लोन की सुविधा उपलब्ध हो सके। फाऊंड्री उद्योग में इस समय सबसे ज्यादा काम बिजली बचत पर किए जाने की जरूरत है। फाऊंड्री उद्योग में तैयार हो रहे उत्पाद में 15 से 20 प्रतिशत जो लागत है, वो बिजली के खर्च की है और कोशिश की जा रही है कि इस लागत को और कम किया जाए, क्योंकि जब यह लागत कम होगी, तभी भारतीय उद्योग अंतर्राष्ट्रीय बाजार में टिक पाएगा।

उदाहरण के तौर पर लोहे को पिघलाने के लिए किसी समय 1000 यूनिट प्रति टन की लागत आती थी, जो अब लेटेस्ट मशीनों तथा तकनीक के माध्यम से 550 से 600 यूनिट प्रति टन तक लाया गया है।

अभी भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीन हमसे आगे है। चीन में लोहा पिघलाने के लिए प्रति टन 250 से 350 यूनिट का खर्च आ रहा है, जिसके कारण चीन में तैयार उत्पाद की लागत भी कम रहती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय उद्योग को अगर टिकना है, तो इस लागत को कम करना होगा। आज के आयोजन में भी आई.आई.टी. जालंधर तथा आई.आई.टी. चंडीगढ़ के छात्रों को बुलाया गया था ताकि वे उनकी इंडस्ट्री की समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल कर सकें और नए आयडिया दे सकें।

इसके अलावा उत्पाद की क्वालिटी इस समय सबसे जरूरी चीज है, जिसे बनाए रखना समय की जरूरत है। आजकल उपभोक्ता जागरूक है और उसे क्वालिटी चाहिए, जिसके पास बेहतर क्वालिटी होगी, वह उसी तरफ चला जाएगा।

ऐसे में भारत की क्वालिटी को वर्ल्ड क्लास तक ले जाने के लिए नई मशीनों की जरूरत है, जो तकनीकी तौर पर पहले से बेहतर हों। इसके लिए मैं केंद्र सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा कि वह उद्योगों में नई मशीनों के लिए लोन की सुविधा को पहले से आसान बना रही है।

आई.आई.एफ. ने एनर्जी एफिशिएंसी पर उद्योग जगत को किया जागरूक

दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज ने आई.आई.एफ. की सराहना की, नॉर्दर्न रिजन के चेयरमैन बलराम कपूर के नेतृत्व में कॉन्फ्रैंस का सफल आयोजन

डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंट करने के दौरान मौजूद इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाऊंड्रीमैन (आईआईएफ) के नॉर्दर्न रिजन के चेयरमैन बलराम कपूर, चंडीगढ़ चैप्टर के चेयरमैन संजीव जुनेजा, वाइस चेयरमैन जसजीत सिंह बेदी, कोषाध्यक्ष मनीष क्वात्रा, एचआर ग्रुप से सुदर्शन शर्मा, लक्की ग्रुप से अमन मित्तल, विक्टर टूल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी विक्टर, लघु उद्योग भारती के जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध धीर, प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक राठौर, विनय लूथरा, धर्मेंद्र मेहता पावरकॉम के डिप्टी चीफ इंजीनियर गुलशन चौटानी, आईआईएफ नॉर्दर्न रिजन के कोषाध्यक्ष अनुराग भदौरिया, बरिंदर कलसी, अजय राय आदि।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रजिंदर बेरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज, बलराम कपूर, विनय लूथरा, मनीष क्वात्रा, अजय राय, संजीव जुनेजा, जसजीत सिंह बेदी आदि। (सभी फोटो : सुखीर)

सवेरा न्यूज/आलोक अनुज

जालंधर, 17 दिसंबर : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फाऊंड्रीमैन (आई.आई.एफ.) नॉर्दर्न रिजन की ओर से यहां के एक होटल में एनर्जी एफिशिएंसी पर कॉन्फ्रेंस एनकोन 2025 का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने बताया कि एनर्जी का किस तरह से उत्तम इस्तेमाल किया जा सकता है और कैसे इसके सही इस्तेमाल से उद्योग जगत को लाभ हो सकता है। इसके अलावा यूको बैंक, सिडबी बैंक ने विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन आई.आई.एफ. नॉर्दर्न रिजन के चेयरमैन बलराम कपूर के कुशल नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बलराम कपूर और उनकी पूरी टीम को मुबारकबाद दी और उद्योग जगत की प्रगति के लिए ऐसे आयोजन आयोजित करते रहने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में बलराम कपूर ने जहां सभी अतिथियों का स्वागत किया वहीं वक्ताओं का भी विशेष तौर पर धन्यवाद किया जिन्होंने एनर्जी एफिशिएंसी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ डिप्टी कमिश्नर डॉक्टर हिमांशु अग्रवाल ने किया जबकि पंजाब के कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने सरकार की ओर से उद्योग जगत के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और उद्योग जगत को आश्वासन दिया कि सरकार इंडस्ट्री की प्रगति के लिए आए दिन नई योजनाएं बना रही है ताकि पंजाब में इंडस्ट्री प्रगति कर सके।

कार्यक्रम में विशेष तौर पर पहुंचे पंजाब के कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत, साथ हैं फोकल प्वाइंट एक्सटैंशन एसोसिएशन के प्रधान नरिन्दर सिंह सग्गू, संजीव जुनेजा, तुषार जैन, अनुराग भदौरिया, विनय लूथरा, जसजीत सिंह बेदी व मनीष क्वात्रा।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक केडी भंडारी को सम्मानित करते हुए बलराम कपूर, साथ हैं नरिन्दर सिंह सग्गू, बरिन्दर कलसी, अजय राय, विशाल गौतम, डा. पी. बरेजा व परविंदर जुनेजा।

इस अवसर पर विधानसभा हलका जालंधर उत्तरी से विधायक बावा हैनरी, सैंट्रल से पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष रजिंदर बेरी, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उत्तरी विधानसभा हलके से पूर्व विधायक केडी भंडारी भी विशेष तौर पर पहुंचे।

कार्यक्रम में ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बी.ई.ई.) के डायरेक्टर पी. श्याम सुंदर ने एनर्जी एफिशिएंसी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा यूको बैंक के जोनल मैनेजर रवि कुमार सिंह, सिडबी के ऋषभ जैन ने बैंक की योजनाओं का बारे में जानकारी दी। इसके अलावा डा. पी बरेजा, हिटेफी से हिमांशु त्रिपाठी ने भी एनर्जी एफिशिएंसी पर विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन तुषार जैन ने बहुत ही बेहतरीन ढंग से किया। इस अवसर पर बलराम कपूर, संजीव जुनेजा, मनीष क्वात्रा, धर्मेन्द मेहता, पावरकॉम के डिप्टी चीफ इंजीनियर गुलशन चौटानी, जसजीत सिंह बेदी, विशाल गौतम, विनय लूथरा, अजय राय, बरिंदर कलसी, परविंदर जुनेजा, गौरव चोपड़ा, अतिन चोपड़ा, फोकल प्वाइंट एक्सटैंशन एसोसिएशन के प्रधान नरिन्दर सिंह सग्गू, एक्टिव टूल्स के एम.डी.गुरनाम सिंह भारज, रविंदर नंदा, अनुराग भदौरिया (आईआईएफ उत्तर क्षेत्र के कोषाध्यक्ष), लोकेश लोहिया (आईआईएफ उत्तर क्षेत्र के वाइस चेयरमैन), तुषार जैन, अखिल कपूर व भारी संख्या में शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीत विज का स्वागत करते हुए आईआईएफ के नॉर्दर्न रिजन के चेयरमैन बलराम कपूर, विधायक बावा हैनरी, अजय राय, मनीष क्वात्रा, संजीव जुनेजा, धर्मेंद्र मेहता, जसजीत सिंह बेदी, राकेश मेहता, तुषार जैन आदि।

कार्यक्रम में मौजूद दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज, विधायक बावा हैनरी, बलराम कपूर, जसजीत सिंह बेदी, राकेश मेहता, तुषार जैन, संजीव जुनेजा, मनीष क्वात्रा व अन्य।

दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाऊंड्रीमैन के नॉर्दर्न रिजन के चेयरमैन बलराम कपूर, विनय लूथरा, विधायक बावा हैनरी, अनुराग भदौरिया, संजीव जुनेजा, जसजीत सिंह बेदी, मनीष क्वात्रा, राकेश मेहता, धर्मेंद्र मेहता आदि।

चेयरमैन बलराम कपूर को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए श्री शीतल विज, साथ हैं संजीव जुनेजा, अनुराग भदौरिया, जसजीत सिंह बेदी, विनय लूथरा, अजय राय, मनीष क्वात्रा, राकेश मेहता आदि।

विनय लूथरा को सम्मानित करते हुए श्री शीतल विज, साथ हैं बलराम कपूर, संजीव जुनेजा, जसजीत सिंह बेदी, अनुराग भदौरिया, अजय राय, धर्मेंद्र मेहता, मनीष क्वात्रा व राकेश मेहता।

जसजीत सिंह बेदी को सम्मानित करते हुए श्री शीतल विज, साथ हैं बलराम कपूर, संजीव जुनेजा, अनुराग भदौरिया, राकेश मेहता, मनीष क्वात्रा, विनय लूथरा व अजय राय।

तुषार जैन को सम्मानित करते हुए बलराम कपूर, शीतल विज, विनय लूथरा, राकेश मेहता, अजय राय, अनुराग भदौरिया आदि।

कार्यक्रम के संचालन में सक्रिय योगदान देने वाली आईआईएफ दिल्ली की भावना सिंह पुंधीर को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक शीतल विज, साथ हैं बलराम कपूर, पूर्व विधायक रजिंदर बेरी, विनय लूथरा, राकेश मेहता, मनीष क्वात्रा, संजीव जुनेजा व जसजीत सिंह बेदी।